

134



न्यायालय श्रीमान राजस्व मण्डल म०प्र० ग्वालियर

प्र०क० 111/विविध/मुरैना/भू०रा०/2017/3466

राजेन्द्र प्रसाद पुत्र वासुदेव प्रसाद जाति
ब्राह्मण निवासी ग्राम खडला तह० राजाखेडा
जिला धौलपुर राजस्थान

श्रीकृष्ण रामा श्रीमान
द्वारा कानूनी 22/9/17 को
प्रस्तुत

.....आवेदक

बनाम

कानूनी कोर्ट 22-9-17
राजस्व मण्डल म०प्र० ग्वालियर

1-गंगादेवी पत्नी रतना भारद्वाज जाति
ब्राह्मण निवासी ग्राम जीगनी तह० व जिला
मुरैना म०प्र०

2-नरेश चन्द गुप्ता तहसीलदार मुरैना तह०
व जिला मुरैना म०प्र०

.....अनावेदक

आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 29 म०प्र०भू०रा० संहिता

श्रीमान जी,

आवेदन पत्र निम्नलिखित प्रस्तुत है -

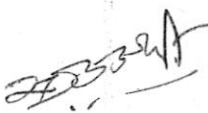
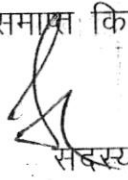
- 1- यह कि ग्राम जीगनी तह० व जिला मुरैना में स्थित कृषि भूमि सर्वे क० 661 रकवा 0.140 है० में से हिस्सा 1/2 भाग के माधोप्रसाद पुत्र तेजसिंह स्वामी व आधिपत्यधारी थे।
- 2- यह कि माधोप्रसाद की मृत्यु के पश्चात आवेदक व अनावेदक द्वारा पृथक पृथक वशियतनामा के आधार पर नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किये। जो पटवारी मौजा द्वारा विवादित होने पर निराकरण हेतु तहसील में प्रस्तुत किये जिस पर से तहसीलदार महोदय मुरैना वृत्त 4 द्वारा प्र०क० 07/16-17 X अ/6 पर पंजीबद्ध किया जाकर विचाराधीन है।
- 3- यह कि आवेदक द्वारा अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष प्रकरण में एक आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 32 म०प्र०भू०रा० संहिता का इस आशय का प्रस्तुत किया कि विवादित भूमि के सम्बन्ध में इन्हीं पक्षकों के मध्य दीवानी दावा व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2 मुरैना में प्र०क० 96/17ए०इ०दी० पर दर्ज होकर विचाराधीन है। जिसमें स्वत्व का निराकरण होना है। दीवानी न्यायालय में चल रहे प्रकरण के निराकरण तक नामान्तरण की कार्यवाही स्थगित रखी जावे।
- 4- यह कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 21/07/2017 द्वारा आवेदक के आवेदन पत्र को अबैध व मनमाने आधार पर निरस्त कर दिया। जिसकी निगरानी राजस्व मण्डल म०प्र० ग्वालियर में प्रस्तुत की जो निरस्त कर दी गई। राजस्व मण्डल के आदेश के विरुद्ध मान्यनीय उच्च न्यायालय बैंच

C.F.
23/10/17

श्रीमान

न्यायालय राजस्व मण्डल, म0 प्र0, ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक तीन/विविध/मुरैना/भूरा/2017/3466

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
25.10.17	<p>आवेदक के अधिवक्ता श्री एस0 के0 शर्मा उपस्थित। अनावेदक की ओर से श्री एस0 के0 अवस्थी उपस्थित। आवेदक के अधिवक्ता द्वारा निवेदन किया गया है कि वह प्रकरण को आगे नहीं चलाना चाहते हैं। आवेदक अधिवक्ता का निवेदन स्वीकार किया जाता है। प्रकरण आगे नहीं चलाने के कारण इसी स्तर पर समाप्त किया जाता है।</p>	<p>  सदस्य</p>